कीरति भनिति भूति भलि सोई।
सुरसरि सम सब कहँ हित होई।।

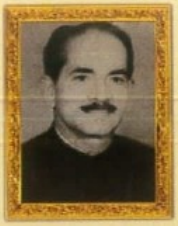

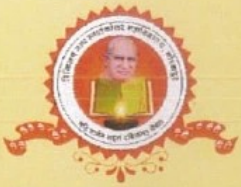

उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ

के

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर

स्थित

गोरखनाथ साहित्यिक केन्द्र

तथा

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर

के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित

आचार्य भगवती प्रसाद सिंह

के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

9–10 जनवरी, 2021

महोदय,

उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ के दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर स्थित गोरखनाथ साहित्यिक केन्द्र तथा दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के संयुक्त तत्त्वावधान में आचार्य भगवती प्रसाद सिंह के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर केन्द्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 9–10 जनवरी 2021 को आयोजित है।

मध्यकालीन भक्ति साहित्य, विशेषतया रामभक्ति काव्य-परंपरा के पथिकृत आचार्य श्रद्धेय डॉ. भगवती प्रसाद सिंह का जन्म 4 मार्च 1919 को हुआ था। उनके आविर्भाव का यह 101 वां वर्ष है।

अनुसंधान, पाठालोचन, सम्पादन, पांडुलिपियों की खोज और उनके समुचित संरक्षण, आलोचना, शिक्षण, संतों के प्रति सहज अनुरक्ति, जीवनी-लेखन, कोश-निर्माण और शिष्यों के प्रति अनन्य वात्सल्य भाव के लिए सुविख्यात, हिन्दी विभाग, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के पूर्व यशस्वी आचार्य एवं अध्यक्ष डॉ. भगवती प्रसाद सिंह की 27 वीं पुण्यतिथि (निधन :10 जनवरी 1994) के अवसर पर उपर्युक्त आयोजन संकल्पित है।

सम्पूर्ण कार्यक्रम में आपकी कृपापूर्ण और जीवंत उपस्थिति सादर प्रार्थित है।

डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह
प्राचार्य
दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर

श्रीकांत मिश्र
निदेशक
उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ

कार्यक्रम

डॉ. भगवती प्रसाद सिंह : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

दिनांक 9 व 10 जनवरी, 2021

उद्घाटन सत्र – 9 जनवरी, 2021 (पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 1.00 बजे तक)

अध्यक्षता	–	डॉ0 रामदेव शुक्ल
मुख्य अतिथि	–	डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
विशिष्ट अतिथि	–	डॉ0 कृष्णचन्द्र लाल डॉ0 सुरेन्द्र दुबे
स्वागत वक्तव्य एवं प्रस्तावना	–	डॉ0 सदानन्द प्रसाद गुप्त
आभार ज्ञापन	–	डॉ0 शैलेन्द्र प्रताप सिंह
संचालन	–	डॉ0 अमिता दुबे

मध्याह्न भोज – अपराह्न 1.00 बजे से 2.00 बजे तक

प्रथम सत्र (अपराह्न 2.00 बजे से 4.00 बजे तक)

डॉ. भगवती प्रसाद सिंह : व्यक्तित्व स्मरण

अध्यक्षता	–	डॉ0 सुरेन्द्र दुबे
मुख्य अतिथि	–	डॉ0 कन्हैया सिंह
विशिष्ट अतिथि	–	डॉ0 उदय प्रताप सिंह
वक्तव्य	–	डॉ0 अनन्त मिश्र डॉ0 कृष्ण चन्द्र लाल डॉ0 प्रेमचन्द सिंह डॉ0 सावित्री सिंह डॉ0 सत्येन्द्र प्रताप सिंह
संचालन	–	डॉ0 वेद प्रकाश पाण्डेय

द्वितीय दिवस – 10 जनवरी, 2021

द्वितीय सत्र (पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 1.00 बजे तक)

विषय : रामभक्ति काव्य परम्परा : अनुसंधान और अनुचिंतन

अध्यक्षता	–	डॉ0 उदय प्रताप सिंह
मुख्य अतिथि	–	डॉ0 कृष्णचन्द्र लाल
मुख्य वक्ता	–	डॉ0 रामदेव शुक्ल
वक्ता	–	डॉ0 चारुशीला सिंह
संचालन	–	डॉ0 नित्यानन्द श्रीवास्तव

मध्याह्न भोज – अपराह्न 1.00 बजे से 2.00 बजे तक

तृतीय सत्र (अपराह्न 2.00 बजे से 4.00 बजे तक)

विषय : शोध, संपादन एवं सृजन

अध्यक्षता	–	डॉ0 सदानन्द प्रसाद गुप्त
मुख्य अतिथि	–	डॉ0 कन्हैया सिंह
मुख्य वक्ता	–	डॉ0 वेद प्रकाश पाण्डेय
विशिष्ट अतिथि	–	डॉ0 ईश्वर शरण विश्वकर्मा
वक्तव्य	–	डॉ0 नित्यानन्द श्रीवास्तव
संचालन	–	डॉ0 प्रत्यूष दुबे
समाकलन एवं आभार ज्ञापन	–	डॉ0 राजशरण शाही

कार्यक्रम स्थल : महंत अवेद्यनाथ स्मृति सभागार